जो महाराष्ट्र के नागपुर से निकलेगी और महाराष्ट्र के 3 जिलों (लंबाईः 203 किमी), छत्तीसगढ़ के 11 जिलों (लंबाईः 400 किमी) और ओडिशा राज्य के 1 जिले (लंबाईः 89 किमी) से होकर गुजरेगी। इस प्रकार, इस पाइपलाइन का कार्य पूर्ण होने से महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों के 24 जिलों को प्राकृतिक गैस प्राप्त होगी। यह पाइपलाइन 1,755 किमी लंबी मुंबई–नागपुर–झारसुगुड़ा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल) परियोजना का एक हिस्सा है, जिसे पीएम गतिशक्ति मास्टरप्लान पहल के तहत उच्च प्रभाव श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।

- यह प्राकृतिक गैस पाइपलाइन न केवल तीन राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को जोड़ेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी और इन सभी राज्यों के लोगों के भविष्य का निर्माण करेगी तथा इन राज्यों के विकास के लिए प्रमुख परिसंपत्ति सिद्ध होगी। प्राकृतिक गैस पाइपलाइन जैसी स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना उर्वरक, पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स आदि जैसे प्रमुख उद्योगों के लिए निवेश के अवसर प्रदान करेगी ।
- एमएनजेपीएल परियोजना को पीएम गतिशक्ति मास्टरप्लान पहल के तहत उच्च प्रभाव श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया गया है तथा यह राष्ट्रीय गैस ग्रिड का और विस्तार करेगी। यह पाइपलाइन परियोजना आत्मनिर्भर भारत के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों और दृष्टिकोण का हिस्सा है। देश में विकसित हो रहे स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना में प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है।

  इस पाइपलाइन मार्ग में पीएनजीआरबी द्वारा महाराष्ट्र में 02 जीए (भौगोलिक क्षेत्र) और छत्तीसगढ़ में 05 जीए यानी कुल 07 जीए घोषित किए गए हैं ।
- भविष्य में शहर गैस वितरण कंपनियों द्वारा इन 07 जीए में लगभग 62 लाख पीएनजी कनेक्शन और 1878 सीएनजी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यह परियोजना निर्माण चरण के दौरान प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 15.2 लाख से अधिक श्रम दिवस के रूप में रोजगार के अवसर प्रदान करेगी ।
- इस पाइपलाइन परियोजना का कार्य पूर्ण होने से न केवल इस क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा का एक विश्वसनीय स्रोत प्राप्त होगा, बल्कि इस क्षेत्र में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास तथा लोगों के समग्र हित में भी योगदान प्राप्त होगा । यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा ।

- जैसे–जैसे राष्ट्रीय गैस ग्रिड इस पाइपलाइन के साथ विस्तार कर रहा है, अधिक से अधिक शाखा लाइनें अपने मार्ग के साथ शहरों और नगरों को जोड़ रही हैं और उद्योगों के लिए पर्यावरण अनुकूल ईंधन, वाहनों के लिए सीएनजी तथा घरों के लिए पीएनजी की पहुंच प्रदान कर रही हैं । पाइप्ड प्राकृतिक गैस की किफायती और चौबीसों घंटे उपलब्धता महिलाओं के लिए सुविधाजनक होगी। शहरों के होटलों को भी पीएनजी की सुविधा प्राप्त होगी। इस पाइपलाइन के मार्ग में आने वाले शहरों को शहर गैस वितरण के माध्यम से राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ा जाएगा। सीएनजी से चलने वाले वाहन लागत प्रभावी होंगे और वायु प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस पाइपलाइन का कार्य पूर्ण होने से महाराष्ट्र के कुल 04 जिलों, छत्तीसगढ़ के 19 जिलों और ओडिशा के 01 जिले को प्राकृतिक गैस प्राप्त होगा।
- यह प्राकृतिक गैस पाइपलाइन इस क्षेत्र के नवनिर्माण और सतत आर्थिक विकास के लिए पथ प्रदर्शक होगी। स्वच्छ ईंधन के उपयोग से भावी पीढ़ियों के लिए हमारा हरित भविष्य का सपना साकार होगा।

गेल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय : 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर. के. पुरम, नई दिल्ली–110 066

www.gailonline.com

कार्पोरेट आइडेंटिफिकेशन नम्बर : L40200DL1984GOI018976 *पर हमें फॉलो करें*

गेल (इंडिया) लिमिटेड

की

जगदीशपुर - हल्दिया - बोकारो - धामरा पाइपलाइन के धामरा - अंगुल खंड

का लोकार्पण

तथा

मुम्बई - नागपुर - झारसुगुड़ा पाइपलाइन के नागपुर - झारसुगुड़ा खण्ड

का शिलान्यास

संबलपुर, ओडिशा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के देश के कोने–कोने तक प्राकृतिक गैस पहुंचने के अडिग निश्चय को बल देते हुए, गेल जोड़ने जा रही है एक और अध्याय नागपुर–झारसुगुड़ा पाइपलाइन के रूप में।

तेल और गैस क्षेत्र, अपनी आपूर्ति एवं वितरण श्रृंखला के साथ, आर्थिक विकास का एक प्रमुख आधार है और इसलिए, इस क्षेत्र में अवसंरचना परियोजनाओं में ओडिशा की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की अत्यधिक क्षमता है। इन परियोजनाओं पर व्यय की गई राशि निवेश का एक कल्याणकारी चक्र बनाएगी और ओडिशा के निवासियों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगी ।

इस वर्ष पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन तेल एवं गैस सीपीएसई ने लगभग 3698 करोड़ रूपए के कुल निवेश के साथ ओडिशा में या ओडिशा से होकर गुजरने वाली 07 परियोजनाओं को पूर्ण किया है ।

सरकार ओडिशा राज्य में या ओडिशा से होकर गुजरने वाली 13 अवसंरचना परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी कर रही है, जिनकी कुल परियोजना लागत लगभग 23,154 करोड़ रूपए है। ये परियोजनाएं ओडिशा के निवासियों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार उत्पन्न करेंगी और विश्व स्तर की अवसंरचना का निर्माण करेंगी जो ओडिशा राज्य में सामाजिक आर्थिक विकास में योगदान देगी ।

इस दिशा में आज ओडिशा राज्य में ऐसी 01 अवसंरचना परियोजना का लोकार्पण किया जा रहा है और 01 परियोजना की आधारशिला भी रखी जा रही है।

जगदीशपुर – हल्दिया एवं बोकारो – धामरा पाइपलाइन परियोजना के धामरा – अंगुल पाइपलाइन खंड (412 किलोमीटर) का लोकार्पण

पूर्वी भारत में पर्यावरण अनुकूल, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण ऊर्जा सुनिश्चित करने के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को बल देते हुए गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा बिछाई जा रही जगदीशपुर–हल्दिया– बोकारो–धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का 412 km लम्बा धामरा–अंगुल खंड अब बन कर तैयार है।

- सरकार का यह प्रयास रहा है कि वर्ष 2030 तक ऊर्जा के क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 6.7% से बढ़ाकर 15% किया जाए। नव भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए नीति स्तर पर कई सुधार और पहलें शुरू की गई हैं और इस खंड का कार्य पूर्ण होना हमारे देश के लिए गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लक्ष्य और **"एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड"** के विचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। गैस आधारित उद्योग और गैस कनेक्टिविटी लोगों के जीवन पर, उनके जीवन स्तर पर सीधा प्रभाव डालती है और रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न करती है। प्राकृतिक गैस पाइपलाइन सतत विकास प्रदान करती हैं। इसलिए, हमारी सरकार ऊर्जा स्रोत और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने में विश्वास करती है ।

- वर्ष 2014 के पश्चात हमने तेल एवं गैस क्षेत्र में विभिन्न सुधार किए हैं, जिसमें अन्वेषण और उत्पादन, प्राकृतिक गैस, विपणन तथा वितरण शामिल है। प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क वर्ष 2014 में लगभग 15000 किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2023 में 24,623 किलोमीटर (दिनांक 30.09.2023 तक) हो गया है। अन्य 10,860 किलोमीटर पाइपलाइन का निर्माण कार्य प्रगति पर है ।
- पूर्वी भारत में किफायती मूल्य पर स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण ऊर्जा की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, ओडिशा राज्य में 412 किलोमीटर लंबी धामरा – अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को जगदीशपुर – हल्दिया एवं बोकारो – धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना (जेएचबीडीपीएल) के एक हिस्से के रूप में बिछाया गया है, जिसे "प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा" (पीएमयूजी) के नाम से जाना जाता है। यह देश भर में ईंधन और फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस की पहुंच और उपयोग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गैस ग्रिड का हिस्सा है ।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दिनांक 3 फरवरी 2024 को संबलपुर में जगदीशपुर – हल्दिया और बोकारो – धामरा पाइपलाइन परियोजना के धामरा – अंगुल पाइपलाइन खंड (412 किमी) को राष्ट्र को समर्पित करेंगे ।
- यह पाइपलाइन परियोजना **2,451 करोड़ रुपए** के निवेश से निर्मित की गई है और यह ओडिशा राज्य में उद्योगों, घरों तथा परिवहन क्षेत्रों को पर्यावरण अनुकूल एवं किफायती ईंधन की आपूर्ति करेगी ।
- धामरा – अंगुल पाइपलाइन ओडिशा राज्य के अंगुल, ढेंकनाल, जाजपुर, भद्रक, जगतसिंहपुर, केंद्रपड़ा, कटक, खोरधा, पुरी जिलों से होकर गुजरती है ।

- पाइपलाइन में 36/18/12 इंच व्यास वाली पाइपलाइन के माध्यम से 16 एमएमएससीएमडी गैस परिवहन की क्षमता है । यह अपने पाइपलाइन मार्ग के साथ पीएनजीआरबी द्वारा घोषित 07 जीए (भौगोलिक क्षेत्रों) में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करेगी। इस पाइपलाइन का कार्य पूर्ण होने से ओडिशा के कुल 14 जिलों को प्राकृतिक गैस प्राप्त होगी। भविष्य में सीजीडी कंपनियों द्वारा इन जीए के तहत लगभग 3.1 लाख पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा, भविष्य में इन 07 जीए में 124 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित किए जाएंगे ।
- यह प्राकृतिक गैस पाइपलाइन न केवल ओडिशा को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ेगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी और ओडिशा के निवासियों के भविष्य का निर्माण करेगी तथा राज्य के विकास के लिए एक प्रमुख परिसंपत्ति सिद्ध होगी। इस पाइपलाइन परियोजना का कार्य पूर्ण होने से इस क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक विकास और लोगों के समग्र हित हेतु एक विश्वसनीय स्रोत उपलब्ध होगा ।
- धामरा– अंगुल पाइपलाइन, धामरा एलएनजी टर्मिनल, जिसकी क्षमता 5 एमएमटीपीए है, से आरएलएनजी (रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नैचुरल गैस) का परिवहन करेगी और राष्ट्रीय गैस ग्रिड के माध्यम से ओड़िसा एवं देश के अन्य राज्यों में प्राकृतिक गैस की निर्बाध आपूर्ति करेगी।

- यह पाइपलाइन ओडिशा राज्य में खोरधा, कटक, अंगुल, ढेंकनाल, बालासोर, भद्रक, मयूरभंज, गंजम, नयागढ़, पुरी, जगतसिंगपुर, केंद्रपड़ा, जाजपुर एवं केंदुझार नामक 14 जिले में घरेलू, उद्योगों, वाणिज्यिक इकाइयों और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करने के लिए महत्वपूर्ण अवसंरचना तैयार करेगी, जो पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी है।
- जैसे–जैसे राष्ट्रीय गैस ग्रिड इस पाइपलाइन के साथ विस्तार कर रहा है, अधिक से अधिक शाखा लाइनें अपने मार्ग के साथ शहरों और नगरों को जोड़ रही हैं और उद्योगों के लिए पर्यावरण अनुकूल ईंधन, वाहनों के लिए सीएनजी तथा घरों के लिए पीएनजी की पहुंच प्रदान कर रही हैं । पाइप्ड प्राकृतिक गैस की किफायती और चौबीसों घंटे उपलब्धता महिलाओं के लिए सुविधाजनक होगी। सीएनजी से चलने वाले वाहन लागत प्रभावी होंगे और वायु प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी। यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा ।
- यह पाइपलाइन परियोजना विकास और समृद्धि के एक युग का शुभारम्भ करेगी। इस पाइपलाइन परियोजना ने निर्माण चरण के दौरान लगभग 9 लाख श्रम–दिवस के रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान किए और अपने प्रचालन चरण में रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है।
- घरों में ईंधन की निर्बाध आपूर्ति की उपलब्धता पाइपलाइन की एक अनूठी विशेषता है। टैंकर और भारी वाहनों के कम उपयोग से सड़कों पर वाहनों की भीड़ कम होगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा और वायु प्रदूषण में कमी आएगी । दुर्घटनाओं और हताहतों की आशंका कम हो जाएगी। पर्यावरणीय गिरावट और प्रदूषण से संबंधित बढ़ती चिंताओं के संबंध में प्राकृतिक गैस एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ईंधन के रूप में समस्या का समाधान कर सकती है।

मुंबई – नागपुर – झारसगुड़ा पाइपलाइन परियोजना के नागपुर – झारसुगुड़ा खंड (692 किमी) का शिलान्यास

- राष्ट्रीय गैस ग्रिड के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दिनांक 3 फरवरी, 2024 को ओडिशा के संबलपुर जिले में **नागपुर झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना** की आधारशिला रखेंगे ।

- भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के महारत्न उपक्रम गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा आरम्भ की गई यह पाइपलाइन परियोजना देश भर में ईंधन और फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस की पहुंच और उपयोग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गैस ग्रिड का हिस्सा है ।
- **692 किमी लंबी नागपुर–झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन** का निर्माण **2,666 करोड़ रुपए** के निवेश से किया जा रही है,